खराब मौसम से दुनिया भर में चीनी महंगी

चिंताजनक मौसम

भारत के उत्पादक राज्यों में मानसून की देरी

ऑस्ट्रेलिया में कम बारिश व मौसम का बदलाव

ब्राजील में बेमौसमी बारिश से गन्ना पैदावार प्रभावित होगी

वैश्विक स्तर पर चीनी के दाम एक माह में 12 फीसदी बढ़े : एफएओ

प्रेट्र ◆ नई दिल्ली

भारत समेत कई देशों में मौसम प्रतिकूल होने के कारण वैश्विक स्तर पर चीनी के दाम बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के संगठन फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन (एफएओ) ने कहा है कि जून के मुकाबले जुलाई में चीनी के दाम करीब 12 फीसदी बढ़ गए हैं। भारत में मानसून की देरी, ऑस्ट्रेलिया में कम बारिश और ब्राजील में बेमौसमी बारिश के चलते उत्पादन घटने की संभावना से तेजी आई है।

एफएओ का चीनी मूल्य इंडैक्स जुलाई में औसतन 324 अंक पर रहा। जुलाई में चीनी इंडैक्स जून के मुकाबले 34 प्वाइंट यानि 12 फीसदी बढ़ गया। इसके साथ ही मार्च से शुरू हुई चीनी के मूल्य में गिरावट का दौर थम गया। एफएओ ने एक बयान में कहा कि सबसे बड़े चीनी निर्यातक देश ब्राजील में जुलाई के दौरान बेमौसमी बारिश होने के कारण गन्ने की पैदावार प्रभावित होने की आशंका है। इसके अलावा भारत और ऑस्ट्रेलिया के प्रतिकूल मौसम से भी पैदावार प्रभावित होने की संभावना से तेजी का रुख बना।

एफएओ का फूड प्राइस इंडैक्स हर महीने जारी किया जाता है। इसमें 55 फूड कमोडिटी के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में बदलाव पर नजर रखी जाती है। एफएओ के अनुसार तीन माह तक लगातार गिरावट के बाद वैश्विक खाद्य मूल्य जुलाई में 6 फीसदी बढ़ गए। मूल्य बढ़त में सबसे ज्यादा योगदान चीनी, गेहूं और मक्का की तेजी का रहा। एफएओ ने बताया कि इंडैक्स में तेज बढ़ोतरी अनाज व चीनी की मूल्य वृद्धि के कारण हुई।

मीट और डेयरी उत्पादों के मूल्य में मामूली बदलाव हुआ है। चीनी के मामले में भारत की बात करें तो जून व जुलाई के दौरान मानसूनी बारिश 19 फीसदी कम रही। मुख्य रूप से गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और कर्नाटक में कम बारिश हुई। इस वजह से पिछले दिनों फुटकर बाजार में चीनी के भाव एक माह में 39-40 रुपये प्रति किलो तक पहंच गए।